निस्केयर
NISCAIR

जनवरी 2010

सम्पादक
प्रदीप शर्मा
सह सम्पादक
डा. बालक राम
प्रोडक्शन अधिकारी
कौशल किशोर
गणेश साहनी
कला अधिकारी
नीरू विजन
योगेश कुमार आनंद
फोटोग्राफी
एल. एन. बांगुर
कम्पोजिंग
संतोष खुराना, मीरा देवी
वरिष्ठ बिक्री एवं विज्ञापन अधिकारी
परवेज़ अली खान
वरिष्ठ बिक्री एवं वितरण अधिकारी
लोकेश कुमार चोपड़ा

जनवरी 2010
विज्ञान प्रगति

नव वर्ष की शुभकामनाएं

विज्ञान प्रगति के प्रिय पाठकों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं! पत्रिका का इस बार का यह अंक कोपनहेगन जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन (7-18 दिसम्बर 2009) को ध्यान में रखकर आपके लिए जलवायु परिवर्तन पर विशेष के रूप में तैयार किया गया है। इस अंक में सम्मिलित किये गये लेखों में आमुख कथा 'ग्लोबल वार्मिंग या ग्लोबल वार्निंग' आपको अवश्य प्रभावित करेगी। विशेष लेखों के अंतर्गत 'एक नज़र : जलवायु परिवर्तन पर', 'जैवविविधता के संवाहक : नमभूमि क्षेत्र'; 'नल सरोवर : प्रवासी पक्षियों का स्वर्ग'; 'संदूषण : जलराशियों के बुढ़ापे का संकेत'; 'प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए समय की आवश्यकता' पर प्रस्तुत की गयी सामग्री भी आपको ज्ञानवर्धक लगेगी। संपूर्ण अंक में जलवायु परिवर्तन पर विशेष सामग्री का समावेश है जो आपके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

आप शायद जानते ही होंगे कि विज्ञान प्रगति के प्रकाशन का कार्य गत शताब्दी के मध्य में आरंभ किया गया था और जनवरी 2009 वाले अंक के साथ ही यह लोकप्रिय विज्ञान पत्रिका अपने 59वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आप विश्वास करें कि इसकी निरन्तर सफलता के पीछे हैं आप सब, जो न केवल वर्षों से इसके अंकों को हासिल करके इसका संकलन कर रहे हैं, बल्कि लगातार हमें अपने महत्वपूर्ण विचारों से भी अवगत कराते रहते हैं। यह हार्दिक रूप से प्रसन्नता की बात है कि विज्ञान प्रगति का प्रत्येक अंक आपको पसन्द आता है। लेकिन हमारे लिए आज भी केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि हम मानते हैं कि विज्ञान प्रगति को और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। हम जानते हैं कि यह वास्तव में संभव है, पर केवल आपके सहयोग से। हम चाहते हैं कि विज्ञान प्रगति से कुछ और विशेषज्ञता प्राप्त चिकित्सक, इंजीनियर, स्कूल-कॉलेजों के अनुभवी अध्यापक और विश्वविद्यालयों के कर्मठ प्रोफेसर व अनुसंधानकर्त्ता तथा सरकारी संस्थानों में कार्यरत विज्ञान में उच्च शिक्षा प्राप्त दक्ष एवं कुशल व अनुभवी कार्मिक भी जुड़ें और समय-समय पर प्रकाशन हेतु हमें उत्कृष्ट सामग्री सुस्पष्ट एवं रंगीन चित्रों सहित भेजते रहें, ताकि प्राप्त सामग्री को और अधिक आकर्षक रूप में ढालते हुए हम वर्तमान जिज्ञासु पीढ़ी को उपलब्ध करवाकर महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकें। हम यह भी चाहते हैं कि आप हमसे संपर्क साधते हुए विज्ञान प्रगति से जुड़ना प्रारंभ करें। दरअसल अनेक बार एक ही विषय पर समान रूप से तैयार की गयी सामग्री प्रकाशन के उद्देश्य से हमें चारों ओर से प्रस्तुत कर दी जाती है और ऐसी स्थिति में सभी रचनाओं को प्रकाशित करना हमारे लिए संभव नहीं हो पाता है। संपर्क साधकर वार्त्तालाप के उपरान्त ही लेखों को तैयार करके भेजना इस समस्या के समाधान में काफी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

यह वर्ष भी विज्ञान प्रगति के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि सफलता की ओर अग्रसर विज्ञान प्रगति अगस्त 2010 में अपना 675वां अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करने जा रही है। अगस्त अंक के लिए हम और अधिक उत्कृष्ट सामग्री प्रकाशित करने का प्रयास करेंगे। हम आपसे विशेष रूप से आग्रह करते हैं कि आप नवोदित विषयों पर सूचनाप्रद लेख सरल भाषा में लिखकर हमें भेजते हुए अपने अनुभव का प्रदर्शन करें। नए लेकिन प्रतिभा सम्पन्न लेखकों से अनुरोध है कि वे अपने बड़ों से व पारखी गुरुजनों से विषय व लेखन से संबंधित सभी शंकाओं व समस्याओं का समाधान करवा कर बेहतर सामग्री ही प्रकाशन के लिए भेजें। यकीन मानिए, हम प्रत्येक बार उस समय विशेष रूप से गर्व का अनुभव करते हैं जब हम प्रकाशन के लिए आपकी ओर से विज्ञान प्रगति के अनुरूप सामग्री प्राप्त करते हैं।

नव वर्ष के अवसर पर एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात आज 'अपनी बात' के माध्यम से हम अपने प्रिय पाठकों से अवश्य कहना चाहेंगे और वो यह कि आप अपनी इस प्रिय पत्रिका से अपने दोस्तों, मित्रों व सगे-संबंधियों को भी सुनिश्चित रूप से अवगत कराएं। हमारा विश्वास है कि विज्ञान प्रगति का प्रत्येक पाठक प्रत्येक माह एक नये पाठक को विज्ञान प्रगति से इस प्रकार जोड़ेगा कि वह इस लोकप्रिय विज्ञान पत्रिका को प्राप्त करने के लिए स्वेच्छा से आगे आयेगा और विज्ञान प्रगति के पाठक परिवार का सदस्य बनने के लिए वार्षिक, द्विवार्षिक या त्रिवार्षिक शुल्क पत्रिका में दिये गये ग्राहक फार्म के साथ ड्राफ्ट/आई. पी.ओ. संलग्न करते हुए इस संस्थान को प्रेषित करेगा। हम इस कार्य में कर्मठता से जुड़ने वाले पाठकों का हार्दिक रूप से अभिनंदन करते हैं। आइये, तो क्यों न प्रस्तुत अंक (जनवरी 2010) से ही यह कार्य एक बार पुनः प्रारंभ कर दें। इस संदर्भ में की गयी अपनी कार्यवाही से आप पत्र द्वारा हमें अवगत भी करा सकते हैं। आप द्वारा किया गया यह कार्य जहां विज्ञान प्रगति के संदर्भ में महत्वपूर्ण साबित होगा वहीं राष्ट्र के लिए भी, क्योंकि विज्ञान के प्रति घटते रुझान में बड़ी तीव्रता से सुधार लाने की आज नितांत आवश्यकता है। शिक्षण संस्थानों में विज्ञान के क्षेत्रों में दाखिला लेने वालों की गिरती संख्या भविष्य के लिए कोई अच्छा संकेत नहीं है। विज्ञान हर प्राण में समाहित है इसमें कोई संदेह नहीं है, आवश्यकता मात्र इतनी है कि हम इस तथ्य को समझें और देश के विकास में स्वयं का योगदान देते ही रहें।

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ!

मूल्य
एक अंक : 20.00 रुपये
एक वर्ष : 200.00 रुपये
दो वर्ष : 380.00 रुपये
तीन वर्ष : 540.00 रुपये
विदेशी वार्षिक सदस्यता : 65$
शिकायत : 25841647
ई-मेल : lkc@niscair.res.in

सम्पादकीय : 25846301, 04-07/370
प्रोडक्शन : 25847353, 25846301, 04-07/217, 284
विज्ञापन : 25845359, बिक्री : 25841647, 25846301, 04-07/335, 295 फैक्स : 25847062
ई-मेल : vp@niscair.res.in
वेब साइट : http:/www.niscair.res.in

© राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान
लेखकों के कथनों और मतों के लिये राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (सी एस आई आर), डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110 012 उत्तरदायी नहीं है।
पत्रिका से संबंधित सभी विवाद दिल्ली न्यायालय द्वारा ही निपटाये जायेंगे।